नईदुनिया

क्रेडिट कार्ड से खर्च जनवरी में 14 फीसदी से बढ़कर 1.84 लाख करोड़ हुआ

मुंबई

भारत में क्रेडिट कार्ड के जरिए होने वाला खर्च जनवरी में बढ़कर 1,84,100 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें सालाना आधार पर 14 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल क्रेडिट कार्ड की लेनदेन की वॉल्यूम जनवरी 2025 में 43 करोड़ रही है। इसमें सालाना आधार पर 31 फीसदी की वृद्धि हुई है।

हालांकि मासिक आधार पर एक फीसदी की मामूली गिरावट हुई है। इसकी वजह दिसंबर 2024 का उच्च आधार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लेनदेन की मात्रा में गिरावट का कारण धोखाधड़ी के कारण बढ़ी हुई सतर्कता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नए कार्ड डिस्पैच, कार्ड खर्च और प्रति कार्ड लेनदेन के मामले में उद्योग स्तर पर क्रेडिट कार्ड डेटा में कमी आई है, लेकिन एचडीएफसी और एसबीआई जैसे प्रमुख बैंकों के कार्ड डिस्पैच देखे गए हैं और इसके परिणामस्वरूप बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि आउटस्टैंडिंग क्रेडिट कार्ड की संख्या जनवरी में 10.9 करोड़ रही। दिसंबर 2024 के मुकाबले इसमें 12 लाख की कमी आई है। प्रति कार्ड औसत खर्च भी मासिक आधार पर एक फीसदी गिरकर 16,911 रुपए हो गया है। हालांकि, इसमें सालाना आधार पर मामूली एक फीसदी का इजाफा हुआ है।

हर लेनदेन का औसत आकार सालाना आधार पर 15 फीसदी घटकर 4,282 रुपए रह गया, जो कि ग्राहकों के बदलते व्यवहार और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों को दिखाता है। अग्रणी बैंकों ने क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना जारी रखा। एचडीएफसी बैंक ने आक्रामक ग्राहक अधिग्रहण रणनीतियों के माध्यम से पिछले साल की तुलना में अपनी बाजार हिस्सेदारी 20.2 फीसदी से बढ़ाकर 21.5 फीसदी कर ली है।

एसबीआई ने बाजार हिस्सेदारी में गिरावट से उबरते हुए अकेले जनवरी में 2,40,000 नए कार्ड जोड़े हैं और कंपनी का मार्केट शेयर 18.8 फीसदी पर पहुंच गया है। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हिस्सेदारी 16.3 फीसदी से बढ़कर 16.6 फीसदी हो गई है। इस महीने की एक प्रमुख विशेषता यह रही कि आरबीआई ने फरवरी 2025 में कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड जारी करने पर 10 महीने के प्रतिबंध को हटा दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि लेनदेन की मात्रा और खर्च में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद, क्रेडिट कार्ड उद्योग ने मजबूत दीर्घकालिक विकास प्रदर्शित करना जारी है।

न्यूज ब्रीफ

चीन ने 3000 साल पुरानी बुनाई तकनीक से स्टील्थ विमानों की कमजोरी दूर की

बीजिंग। चीन ने 3,000 साल पुरानी रेशम बुनाई तकनीक का उपयोग करके स्टील्थ लड़ाकू विमानों की रडार-शोषक कोटिंग को मजबूत करने में सफलता हासिल की है। इस तकनीक से विमान की स्टील्थ कोटिंग में आने वाली दरारों को ठीक किया जा सकता है, जिससे उसकी रडार से बचने की क्षमता बनी रहती है। वहीं अमेरिका अपने एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ विमानों की कोटिंग के क्षरण की समस्या से जूझ रहा है, जिससे विमान की स्टील्थ क्षमता प्रभावित होती है। स्टील्थ विमानों में इस्तेमाल होने वाली कोटिंग की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह तेज गति, उच्च वायुगतिकीय दबाव, रेगिस्तानी तूफानों और नमी के कारण जल्दी खराब हो जाती है। अमेरिका के लड़ाकू विमानों में हर तीन सप्ताह में इस कोटिंग को दोबारा लगाना पड़ता है, जिससे प्रति उड़ान घंटे 60,000 डॉलर तक की लागत आती है। वहीं चीन का दावा है कि उसने इस समस्या का समाधान प्राचीन बुनाई तकनीक के माध्यम से खोज लिया है। चीनी एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन और तियांगोंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने हान राजवंश (206 ईसा पूर्व-220 ईस्वी) की जैक्वार्ड बुनाई तकनीक से प्रेरित एक दोहरे परत वाले मिश्रित कपड़े का विकास किया है। इस कपड़े में ताना-बुनी गई प्रवाहकीय धागों की संरचना है, जो 8-26 जीएसजेड स्पेक्ट्रम की 90.6 फीसदी रडार तरंगों को अवशोषित कर सकती है। यह पारंपरिक कोटिंग की तुलना में अधिक प्रभावी है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बीमा प्रीमियम में 10 फीसदी की वृद्धि पर रोक

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने जारी किया एक परिपत्र, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि पर रोक लगाई गई है। 30 जनवरी, 2025 को जारी इस निर्देश के अनुसार कोई भी बीमा कंपनी 10 फीसदी से अधिक प्रीमियम वृद्धि नहीं कर सकेगी, और अगर वृद्धि करनी हो तो पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की वृद्धि को लेकर चिंता करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह निर्देश एक सकारात्मक कदम है। नियामक द्वारा निर्धारित सीमा का पालन करने से उन्हें सुरक्षित महसूस होगा कि उनका प्रीमियम विचारशीलता से निर्धारित है। बीमा कंपनियों को भी इस नए निर्देश का पालन करना होगा और वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें स्थिरता और विश्वसनीयता के साथ काम करना होगा। इस निर्देश की मान्यता से बीमा कंपनियों को ग्राहकों का भरोसा भी मिलेगा और इससे वरिष्ठ नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस निर्देश से स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तैराकी और उन्हें खरीदने की ऊर्जा बढ़ेगी। वरिष्ठ नागरिकों को अपने इस खर्च के लिए टेंशन नहीं लेनी पड़ेगी और भविष्य की योजनाएं बनाना और अनुकूलित करने में उन्हें आसानी होगी।

टाटा मोटर्स ने शुरू किया हाइड्रोजन ट्रकों का ट्रायल, 24 महीने तक परखी जाएगी क्षमता

नई दिल्ली। वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के भारत के दृष्टिकोण की दिशा में सहायक भारत की प्रमुख वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने ट्रकों का पहली बार परीक्षण शुरू किया है। परीक्षण का यह दौर 24 महीने तक चलेगा और इसमें विभिन्न कॉन्फिगुरेशन और पेलोड क्षमताओं वाले 16 एडवांस्ड हाइड्रोजन-संचालित वाहनों का निर्माण शामिल है। ये वाहन नए जमाने के हाइड्रोजन पेट्रोल-डीजल इंजन (एच2-आईसीई) और फ्यूल सेल (एच2-एफसीईवी) प्रौद्योगिकियों से संपन्न होंगे और इनका भारत के बेहद प्रमुख ढुलाई मार्गों पर परीक्षण किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वड़ोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस ट्रायल को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है जिसमें उत्सर्जन को कम करते हुए और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हुए भारत के परिवहन क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है। इस तरह की पहल से बड़े ट्रकों की गतिविधियों में बदलाव आएगा और हम एक कुशल, कम कार्बन वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ने में सक्षम होंगे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। टैरिफ वॉर की चिंता को लेकर अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान गिरावट का रुख बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

टैरिफ वॉर को लेकर बनी आशंका के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 700 अंक टूट कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.22 प्रतिशत टूट कर 5,778.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,288.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 273.30 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,794.29 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोप में भी पिछले सत्र के दौरान टैरिफ वॉर का डर बना रहा। इस डर की वजह से यूरोपीय बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। एफटीएसई इंडेक्स 112.31 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,759 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 151.79 यानी 1.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,047.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 820.21 अंक यानी 3.67 प्रतिशत लुढ़क कर 22,326.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में लगातार खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 195 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,341 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,903.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 155.61 अंक यानी 2.44 प्रतिशत उछल कर 6,536.01 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 377.68 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,319.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 323.82 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,920.70 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.27 प्रतिशत उछल कर 1,192.63 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,555.52 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 261.09 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37,592.27 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की छलांग लगाकर 3,334.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ओला ने अपने कर्मचारियों के लिए नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली शुरू की

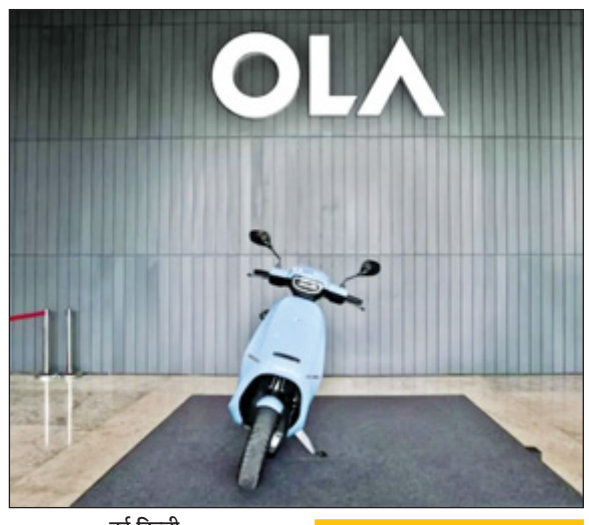

नई दिल्ली

ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने अपनी कंपनियों के कर्मचारियों के लिए एक नई साप्ताहिक रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की है। क्या चल रहा है नामक इस पहल के तहत, कर्मचारियों को हर हफ्ते अपने द्वारा पूरे किए गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा। यह रिपोर्ट कंपनी के ईमेल पते और उनके प्रबंधकों को भेजी जाएगी। इंटरनल ईमेल में कहा गया कि से हम 'क्या चल रहा है' शुरू कर रहे हैं, ताकि कर्मचारी सीधे मुझे और अपने प्रबंधकों को अपने साप्ताहिक अपडेट साझा कर सकें।

हर हफ्ते अपने द्वारा गए कामों के 3-5 बुलेट पॉइंट के साथ एक ईमेल भेजना अनिवार्य होगा

इसमें आगे बताया गया कि सभी को क्या चल रहा है... वेबसाइट पर अपने अपडेट भेजने होंगे। रिपोर्ट की समयसीमा अगले दिन तय की गई, जबकि भविष्य में इसे हर रविवार को जमा करना अनिवार्य होगा। यह पहल ऐसे समय में आई है जब ओला अपने खर्चों में कटौती और मुनाफा बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओला इलेक्ट्रिक 1,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है, जो पांच महीनों में दूसरा बड़ा कटौती अभियान होगा। इससे खरीद, ग्राहक संबंध और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विभाग प्रभावित होंगे।

इस नई रिपोर्टिंग प्रणाली को एलन मस्क की हाल ही में पेश की गई नीति से जोड़ा जा रहा है, जिसमें उन्होंने यूएस फेडरल कर्मचारियों को साप्ताहिक उपलब्धि रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। मस्क की इस नीति का उद्देश्य सरकारी कार्यों में जवाबदेही बढ़ाना था, हालांकि इसे कर्मचारियों के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव डालने के लिए आलोचना भी झेलनी पड़ी। भाविश अग्रवाल इससे पहले भी कर्मचारियों की परफॉर्मेंस को लेकर सख्त रुख अपना चुके हैं। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने एक इंटरनल ईमेल के जरिए खराब उपस्थिति पर कर्मचारियों को चेतावनी दी थी।

एडटेक कंपनी बैजूस के संस्थापक पर भारी कानूनी जोखिम

अमेरिकी न्यायालय द्वारा भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के आरोपों में फैसला सुनाते हुए, बैजू रवींद्रन को कानूनी जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। बैजूस की मूल कंपनी के खिलाफ जारी आदेश ने पूर्ण व्यापकता में इस विवाद को अभियंत्रित किया है। अमेरिका में चल रहे मामले ने उद्योग और कानूनी समुदाय को हिला दिया है। अब इस मामले में रुचि लेने के बाद आगे की जांच का इंतजार है, जिसमें बैजू रवींद्रन और उसके सहयोगियों को गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में आईपीसी की धारा 420 के तहत आरोपों का सामना करने की संभावना है, जिससे रवींद्रन और उसके समर्थकों की स्थिति औरभी ज्यादा कठिन हो सकती है। कानूनी विशेषज्ञों और सूत्रों का मानना है कि इस मामले में संभावित उल्लंघन और गलताकारी के दृश्यांकों के साथ-साथ जादूगरी वित्तीय योजनाओं का भी पर्दाफाश हो सकता है।

जियो ने एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एआई प्लेटफॉर्म बनाया

नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। जियो प्लेटफॉर्म्स ने स्वामित्व वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों एएमडी, सिस्को और नोकिया के साथ मिलकर एक ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म बनाया है, जिससे प्रौद्योगिकी लागत को कम करने के साथ-साथ नेटवर्क सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की उम्मीद है।

एक संयुक्त बयान में कहा गया कि मल्टी-डोमेन इंटेलिजेंस फ्रेमवर्क नेटवर्क संचालन की हर परत में कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन को एकीकृत करेगा। रिलायंस जियो के समूह एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बयान में कहा कि एएमडी, सिस्को और नोकिया के सहयोग से जियो ओपन टेलीकॉम एआई प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ा रहा है ताकि नेटवर्क को स्व-अनुकूलित, ग्राहक-जागरूक पारिस्थितिकी तंत्र में बदल दिया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वचालन से कहीं आगे एआई-संचालित, स्वायत्त नेटवर्क को सक्षम करने के बारे में है जो वास्तविक समय में अनुकूलन करते हैं, उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाते हैं, और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में नई सेवा और राजस्व के अवसर पैदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि एआई प्लेटफॉर्म एक बड़े भाषा मॉडलसे स्वतंत्र होगा और अपनी कार्यक्षमता और क्षमताओं को अनुकूलित करने के लिए एक खुले एप्लिकेशन इंटरफेस का उपयोग करेगा।

भारत को निवेश-अनुकूल माहौल बनाने नियामकीय ढांचे की जरूरत: शीर्ष आर्थिक सलाहकार

अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील

नई दिल्ली

भारतीय आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने देश के लिए निवेश-अनुकूल माहौल बनाने के लिए एक आधुनिक और प्रभावी नियामकीय ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया है। वैश्विक आर्थिक दबावों के कारण विदेशी निवेश पर हुई गिरावट को देखते हुए उन्होंने सरकार से नीतिगत सुधारों की मांग की है। नागेश्वरन ने बजट के बाद आयोजित वेबिनार में बताया कि भारत अब एक आकर्षक निवेश गंतव्य बन रहा है, लेकिन इसके लिए नियामकीय स्पष्टता और व्यापार संचालन को सरल बनाने की जरूरत है। उन्होंने अधिक पूंजी और प्रतिस्पर्धा के लिए सरकार से उपाय अपनाने की अपील की है। इससे पहले भी सरकार ने एफडीआई नीति में सुधार की घोषणा की थी, जिसमें बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने की प्रस्तावना शामिल है। यह कदम नवाचार और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में देश की आउटवर्ड एफडीआई प्रतिबद्धताएं करीब 2.28 बिलियन कम हो गईं हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में हैरान करने वाली है। यह स्थिति दिखाती है कि नवीन और स्पष्ट नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। नागेश्वरन ने कहा कि भारत को आपसी निवेश बढ़ाने और नए व्यापारिक अवसरों को उद्घाटन करने के लिए रचनात्मक आशावाद को बनाए रखना होगा। यह न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा बल्कि आर्थिक विकास में भी मदद करेगा।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। सोने के भाव में 720 रुपये से लेकर 780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये से लेकर 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये से लेकर 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।